Date
28/04/2020

विषय - समकालीन भारत और शिक्षा
UNIT-6th - प्रकरण - शिक्षा का व्यापारीकरण

B.Ed. Ist Year

Introduction

प्राचीन काल मे शिक्षा को अत्यन्त पवित्र और समाज सेवा का कार्य माना जाता था। समाज के धनाढ्य, दानी, परोपकारी व्यक्ति एवं स्वंय राजा व शासक शिक्षा संस्थाओ की निःस्वार्थ स्थापना कर उन्हे आर्थिक सहायता प्रदान करते थे। परन्तु वर्तमान मे स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत हो गयी है। कुछ ही व्यक्ति और संस्थाएं इस पुनीत कार्य को निःस्वार्थ भाव से कर रहे हैं। जिनकी संख्या समाज मे कम है।

शिक्षा का व्यापारीकरण

शिक्षा के व्यापारीकरण से तात्पर्य है -
"शिक्षा को व्यवसाय बनाना, उसकी व्यवस्था करना और उसे धनोपार्जन करना"

समाज के धनाढ्य या अन्य उच्चवर्ग के व्यक्ति समिति या ट्रस्ट बनाकर शिक्षा संस्थाओ की स्थापना करते है और उनसे धन कमाते है। इसी को शिक्षा का व्यापारीकरण कहा जाता है। वर्तमान समय मे शिक्षा व्यवस्था मे निःस्वार्थता का अभाव एवं स्वार्थ का भाव विद्यमान हो गया है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

न्यूपा - 2006 ने परिभाषित करते हुए लिखा है -

"Commercialization of Education refers to a Process of Private ownership and management of Educational institutions whereby investments are made with the motive of Earning Profit."

तात्पर्य यह है कि कोई भी गलत तरीका जो अतिरिक्त मुनाफा कमायें व्यापारीकरण की श्रेणी मे आता है।

व्यापारीकरण के कारण

भारत मे उच्च शिक्षा के क्षेत्र मे निर्बाध गति से व्यापारीकरण को गति प्रदान करने मे निम्नलिखित कारक उत्तरदायी है -

(i) सरकार की 'सुधार' के स्थान पर विकार की नीति :-

Ambani Birla Report (2000) जो NDA सरकार ने प्रस्तुत की, National Knowledge Commission Report (2006), Yashpal Committee Report (2009) जिन्हे UPA-I तथा UPA-II सरकार ने प्रस्तुत किया। उन सभी ने उच्च शिक्षा मे नव्य उदारवादी धारणा का अनुमोदन किया। हाल मे (NMC) नारायण मूर्ति कमेटी 2012 ने भी उच्च शिक्षा मे कॉरपोरेट जगत की भागीदारी के सम्बन्ध मे अपनी सिफारिश प्रस्तुत की है।

(ii) गुणवत्ता मे गिरावट :- एक बडे पैमाने पर निजी शिक्षा संस्थाओ तथा विदेशी शिक्षा प्रदानु करने वाली एजेन्सियों ने भारतीय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर प्रश्न खडे कर दिये है, भारतीय वि०वि० मे शिक्षकों की कमी छात्रों की कम सक्रियता ने स्थिति को भयावह बना दिया है। केवल 31% वि०वि० तथा 14.5% कॉलेज NAAC करवा पाये है। (MHRD, 2013b)।

Nidhi Tyagi
28/4/2020

Continue---

Scanned with CamScanner